

1079

10



सत्यमेव जयते

बिहार

संख्या १८

बिहार विधान सभा वादवृत्त सरकारी रिपोर्ट

विषय

बिहार

(११)

बृहस्पतिवार, तिथि ६ अक्टूबर, १९५५

Vol. VIII

No. 18

The Bihar Legislative Assembly Debates Official Report

Thursday, the 6th October, 1955.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार.

पटना, द्वारा मुद्रित,

१९५६ ।

[मूल्य—६ आना ।]

[Price—Anna 6 P.]

(2) whether it is a fact that the people approached the authorities in Bhagalpur many times for construction of earthen dams on river such as in River Koa in Colgong P.-S. and for other relief measures ;

(3) if the answers to the aforesaid clauses be in the affirmative what relief measures have been taken so far in Colgong and Sonawala P.-S., Bhagalpur district after the drought condition this year ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—(१) उत्तर हां है।

(२) उत्तर ना है।

(३) रिलीफ के ब्याल से हाई मनुअल लेबर स्कीम में काम चालू कर दिया गया है। कहलगांव और सुनहुला थाने में और दूसरे-दूसरे क्षेत्रों में हाई मनुअल लेबर स्कीम चालू की जायगी।

श्री राम जनम महता—तकावी लोन देने का विचार किया गया है या नहीं ?

श्री कृष्ण बल्लभ सहाय—जहां तक मुझे याद है ५ लाख रुपया भूमलपुर के कलक्टर को २ नवम्बर १९५५ को भेज दिया गया है।

ARRANGEMENT FOR SPECIAL TRAINS.

319. Shri NARENDRA NATH DAS : Will the Minister, Public Works Department, be pleased to state—

(1) whether it is a fact that ordinarily most insanitary condition prevails at Simariaghat steamer and Railway stations, and particularly during Kartik Mela the sanitary condition becomes hopelessly bad;

(2) whether it is a fact that thousands of pilgrims, who come to stay there, have to travel in N. E. Railway in most unhygienic condition as a result of which many pilgrims faint due to suffocation in packed up trains ;

(3) whether it is a fact that due to the densest population in North Bihar, the trains are ordinarily packed to its utmost capacity and no special arrangements for the incoming and outgoing pilgrims are made by the N. E. Railway and the pilgrims are packed up like cards in carriages living under insanitary and unhygienic conditions causing great hardship to the pilgrims ;

(4) whether Government think the imperative necessity of pressing the Central Railway authority to run Mela special trains in order to remove life-taking overcrowding during the beginning and the end of the Mela period ?

Shri ABDUL QUIYUM ANSARI : (1) It is not a fact that insanitary conditions prevail in Simariaghat steamer and Railway

Station. During Kārtik Mela special attention is given to conservancy and sanitary arrangements. Station premises remain reasonably clean.

(2) It is not a fact that pilgrims have to travel in most unhygienic conditions. As far as practicable within the available resources of the railways, arrangements are made to clear the Mela rush by means of special trains.

(3) It is true that the problem of overcrowding is more acute in North Bihar than in other parts of the State. Some trains in North Bihar do run overcrowded. Keeping this in view provision has already been made for additional trains which will be introduced as soon as more stock and power become available to the railways. Special arrangements are made to clear the influx of passengers during Mela periods by pooling the available resources of the whole N. E. Railway. All possible care is taken to maintain sanitary and hygienic conditions within the Railway area.

(4) 146 special trains were run last year during the Kārtik Mela period. Arrangement are also being made to run a number of special trains during the ensuing Mela this year to meet the rush of passengers.

श्री हृदय नारायण चौधरी—मैं जानना चाहता हूँ कि मेले के समय में सरकार ने वहाँ सैनिटेशन के लिए क्या-क्या इन्तजाम किया है?

श्री अब्दुल क़यूम अंसारी—आपने रेलवे प्रेमिसेज की बात नहीं पूछी है। आपने तो पूछा है सिमरिया घाट रेलवे स्टेशन और स्टीमर के बारे में।

अध्यक्ष—रेलवे स्टेशन के हाते और मेले से क्या सम्बन्ध है? आपका सवाल नहीं उठता है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—कार्तिक के मेले में सिमरिया घाट तक मेला बढ़ जाता है। इसलिए यह प्रश्न उठता है।

अध्यक्ष—यह सवाल मेला के बारे में नहीं है। यह स्टीमर घाट और रेलवे स्टेशन के हाते के बारे में है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—कार्तिक का मेला रेलवे प्रेमिसेज में लगता है।

अध्यक्ष—कार्तिक का मेला सिमरिया घाट के रेलवे स्टेशन प्रेमिसेज में तो नहीं लगता है?

श्री हृदय नारायण चौधरी—कार्तिक का मेला सिमरिया घाट रेलवे स्टेशन के प्रेमिसेज में भी लगता है। यह मेला कनफाइन्ड और डिफाइन्ड नहीं है।

अध्यक्ष—आपका यह कहना है कि रेलवे प्रेमिसेज और मेले में कार्तिक मेला के समय कोई डिस्टिन्क्शन नहीं रहता है? अगर रेलवे प्रेमिसेज में भी कोई चीज विक्री के लिये आवे इसलिए वह मेला नहीं कहा जा सकता है। यह सवाल रेलवे हाते में सफाई के बारे में है। अगर रेलवे प्रेमिसेज में मेला लगता है तब उसकी सफाई का सवाल आता है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—रेलवे प्रेमिसेज डिफाइन्ड नहीं है, सारे स्थान में मेला लगता है।

श्री त्रिवेणी कुमार—जहां तक सिमरिया घाट रेलवे स्टेशन का संबंध है वही मेला का भी प्रेमिसेज है। इसलिए घाट सिमरिया घाट मेला के प्रेमिसेज में सम्मिलित हो जाता है। मेला का प्रेमिसेज डिफाइन्ड और कनफाइन्ड नहीं है।

अध्यक्ष—रेलवे की जमीन जहां तक है उसके अलावे अगर मेला लगता है तब यह प्रश्न नहीं उठता है।

श्री अब्दुल कयूम अन्सारी—सवाल में तो यह लिखा हुआ है कि whether it is a fact that ordinarily most insanitary condition prevails at Semariaghat steamer and Railway stations.

श्री जमुना प्रसाद सिंह—हुजूर, मेला रेलवे प्रिमिसेज तक सीमित नहीं रहता है.....

श्री अब्दुल कयूम अंसारी—सवाल तो रेलवे प्रिमिसेज के बारे में है जिसका जवाब हमने दे दिया।

श्री दामोदर झा—अध्यक्ष महोदय, मेरा एक पोआएन्ट आफ आर्डर है। क्या रूल के मुताबिक आधा घंटा से ज्यादा अल्प-सूचना प्रश्न नहीं लिया जा सकता। अब तो आधा घंटा से ज्यादा समय हो गया।

अध्यक्ष—आप रूल का नम्बर बतलायें?

श्री दामोदर झा—प्रसेम्बली रूल्स के पेज ११ पर २२ वां रूल आप देखें।

अध्यक्ष—हां, ऐसा है लेकिन स्पीकर चाहें तब। आज अल्प-सूचना प्रश्न बहुत हैं इसलिए इसमें समय देना अच्छा है क्योंकि इनका महत्व ज्यादा है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—अध्यक्ष महोदय, श्री सरकार ने उत्तर दिया है

कि लोग रेलों में अनहाइजेनिक कंडिशन में सफर नहीं करते हैं और सफोकेशन नहीं होता है, मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार को मालूम है या नहीं कि मेला के समय में लोग गाड़ी की छत पर सफर करते हैं?

श्री अब्दुल क़यूम अंसारी—जी हाँ, मालूम है। लेकिन गाड़ी की छत तो और भी साफ रहती है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—गाड़ियों के भीतर सफोकेशन होता है या नहीं?

श्री अब्दुल क़यूम अंसारी—उत्तर में हमने तो यह कबूल किया है कि भीड़ की वजह से गाड़ियों में तकलीफ होती है, खासकर उत्तर बिहार में।

श्री हृदय नारायण चौधरी—अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह कबूल किया है कि लोगों को सफोकेशन होता है इसलिए गाड़ी की छत के ऊपर चढ़ते हैं तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार रेलवे अधिकारियों से सिफारिश करेगी कि अलगाव के वक़्त ज्यादा गाड़ियों का इन्तजाम करे?

श्री अब्दुल क़यूम अंसारी—हमने तो जवाब में कहा है कि इसके इन्तजाम के लिए सिफारिश की गई है कि और ट्रेन चलाई जाय। लेकिन दिक्कत यह है कि स्टॉक में पावर की कमी है। पावर मिलते ही और गाड़ियाँ चलाई जायेंगी।

श्री त्रिवेणी कुमार—सरकार ने बतलाया है कि पिछले साल १४६ गाड़ियाँ चलायी गई थीं तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि ये गाड़ियाँ सिर्फ सिमरियाघाट के लिए चलाई गई थीं या कार्तिक पूर्णिमा में सोनपुर मेला के लिए भी?

श्री अब्दुल क़यूम अंसारी—रेलवे ने तो बतलाया है कि कार्तिक पूर्णिमा मेला के सिलसिले में चली थीं।

श्री त्रिवेणी कुमार—दूसरी बात सरकार ने यह बतलायी है कि स्पेशल ट्रेन इस साल भी चलने वाली है, तो क्या सरकार को इसकी खबर है कि सिमरियाघाट के लिए भी ट्रेन चलने वाली है या नहीं?

श्री अब्दुल क़यूम अंसारी—सरकार को इसकी खबर नहीं है।

POSSESSION OVER LANDS.

361. Shri DAROGA PRASAD RAI : Will the Minister, Revenue Department, be pleased to state—

(1) whether it is a fact that some lands of Bahlolepur Diara, P.-S. Parsa, district Saran, have been recently settled;